P-1100

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVS-103

गृहनिर्माण विवेचन

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. खातारम्भ कैसे किया जाता है विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

गृहारम्भ निर्माण में विविध मासों का विचार व फल लिखिए।

2. दिशा के अनुसार राहु के मुख, पुच्छ एवं पृष्ठ की स्थिति को लिखिए।

3. कुम्भ चक्र के महत्त्व को विस्तारपूर्वक लिखिए।

4. गृहों के नाम व नक्षत्रानुसार शुभाशुभ विचार पर प्रकाश डालिए।

5. शिलाविन्यास विधि लिखिए।

अथवा

गृह शान्ति पूजन के महत्त्व को लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. गृहारम्भ में वृषवास्तुचक्र के महत्त्व को लिखिए।

2. शिलान्यास विधि क्या है?

3. गृह प्रवेश मुहूर्त को लिखिए।

4. वास्तु पूजन विधि को लिखिए।

5. मेषादि द्वादश राशि वालों के लिए द्वार निर्णय कैसे किया जाता है?

6. दिशाओं का द्वार फल लिखिए।

अथवा

द्वारवेध का फल लिखिए।

7. खात खनन में राहू मुख-पुच्छ स्थिति पर प्रकाश डालिए।

अथवा

8. गृहारम्भ का सामान्य परिचय दीजिए।